455 वाँ सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

वर्ष 38 | द्वादश अंक | जुलाई 2016

इस अंक में...

13 हमारे शब्द हमारा भविष्य
14 राष्ट्रीय घटनाक्रम
26 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
31 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य
37 नवीनतम सामान्य ज्ञान
41 खेलकूद
45 सनराइजर्स हैदराबाद आईपीएल-IX की विजेता : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरू तीसरी बार फाइनल में पराजित
48 रोजगार समाचार
49 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
51 युवा प्रतिभाएं
58 सिविल सेवा परीक्षा : लक्ष्य पर केन्द्रित ध्यान और कड़ी मेहनत करेंगे पूरा आपका आईएएस का स्वप्न
62 केन्द्र सरकार की नवीनतम योजनाएं
65 स्मरणीय तथ्य
68 विश्व परिदृश्य
73 फोकस-राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार नीति, 2016
77 विधि-निर्णय
79 वैश्विक लेख—वैश्विक निर्देशांकों में भारत की स्थिति
83 द्विपक्षीय सम्बन्ध लेख—फ्रांस के राष्ट्रपति की भारत यात्रा
87 कैरियर लेख—एस.एस.बी.: सशस्त्र सेना के तीनों अंगों के लिए
95 सामयिक लेख—(i) धार्मिक जनगणना आँकड़े : उत्तर प्रदेश (एक दृष्टि में)
96 (ii) संयुक्त राष्ट्र की भाषा बने हिन्दी
97 समसामयिक लेख—समय प्रबन्धन की कला
99 विधि लेख—प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्त
101 प्रतिरक्षा लेख—सियाचिन का दर्द
104 पर्यावरण लेख—वायुमण्डल में ओजोन छिद्र के कारण
106 अन्तरिक्ष अभियान—अंतरिक्ष यात्रा की जटिलताएं
108 कृषि क्षेत्र में सामान्य जानकारी—प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
111 सार संग्रह
115 वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान (i) छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा, 2015
122 (ii) सिडबी सहायक प्रबन्धक परीक्षा, 2015
125 (iii) रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया ग्रेड 'B' परीक्षा, 2015
128 (iv) उत्तराखण्ड पी.सी.एस.जे. परीक्षा, 2015
140 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता
142 अंतरवैयक्तिक संचार—आगामी संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग प्रारम्भिक परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
144 ऐच्छिक विषय—(i) गृह विज्ञान—उत्तर प्रदेश प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक चयन परीक्षा, 2013
150 (ii) शिक्षा—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2015
156 (iii) दर्शनशास्त्र—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2015
161 सामान्य बुद्धि परीक्षण (i) उ.प्र. राजस्व निरीक्षक परीक्षा, 2015
165 (ii) ओरिएण्टल इंश्योरेन्स कम्पनी लि. स्पेशलिस्ट ऑफीसर्स फाइनेंस परीक्षा, 2015
169 संख्यात्मक अभियोग्यता—आई.बी.पी.एस. विशेष विपणन अधिकारी परीक्षा, 2015
175 अपना ज्ञान बढ़ाइए
176 क्या आप जानते हैं?
177 प्रथम पुरस्कृत समीक्षा—भारत की विदेश नीति : कितनी सफल, कितनी विफल
179 प्रथम पुरस्कृत निबन्ध—माध्यमिक शिक्षा को अनिवार्य एवं नि:शुल्क बनाने की आवश्यकता
181 निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक-444 का परिणाम

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. –सम्पादक

• E-mail : publisher@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in

हमारे शब्द हमारा भविष्य

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

"Let no unwholesome word proceed from your mouth, but only such a word as is good for edification according to the need of the moment, so that it will give grace to those who hear."

— Ephesians 4 : 29

कितना अच्छा होता यदि बचपन से ही हमें यह सिखा दिया जाता कि हमें कैसे बोलना है ? बोलते समय किस प्रकार के शब्दों का चयन करना है ? हमारे द्वारा बोले जा रहे शब्दों का हमारी जिन्दगी में कितना और कैसा प्रभाव होता है ? हम जो भी बोलते हैं चाहे मन-ही-मन अपने आपसे अथवा किसी अन्य से—हमारी शब्दावली व उसमें निहित हमारे इरादे ही हमारे भविष्य को निर्मित करते हैं. हर शब्द हमारी मानसिक संरचना को प्रभावित करता है.

यदि कोई व्यक्ति बात-बात में बार-बार चाहिए शब्द का प्रयोग करता है, तो इसका मतलब यह है कि उसकी मानसिकता कमजोर है, आग्रही है, वह नैतिक रूप से दूसरों को निजी धारणा-परक रूप से रखना चाहता है, किन्तु खुद उसके विपरीत है. हमें ऐसा करना चाहिए. ऐसा नहीं करना चाहिए ····· इस तरह की वाणी पलायनवृत्ति का भी संकेत देती है. हमें 'चाहिए' के स्थान पर 'सकना' शब्द का प्रयोग करना होता है. I should के स्थान पर I can का प्रयोग हो.

इसी तरह अक्सर लोग बात-बात में But बोलते हैं. मैं ऐसा करना चाहती थी, किन्तु ····· ये किन्तु, परन्तु शब्द व्यक्ति में परदोषान्वेषी वृत्ति को इंगित करते हैं. बात-बात में 'किन्तु' कहने वाला अपने हृदय को टटोले तो उसे पता चलेगा कि उसमें शंका बहुत है. परिणामतः उसका हर कार्य बाधित होगा. वो जैसा चाहेगा, परिणाम उसके विपरीत ही मिलेगा.

इसी तरह अक्सर लोग बोला करते हैं कि 'काश' ····· 'काश ऐसा होता', 'काश मेरे पंख होते'. 'काश मैं ये कर सकती'. यह 'काश' शब्द व्यक्ति में शिकायत, हीनभावना व कमजोरी का संकेत है. हमें 'काश' शब्द के स्थान पर बोलना होता है—ऐसा हो ! आमीन ! तथास्तु.